# महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ, नाशिक

# तृतीय वर्ष बी.ए.एम.एस.

# कायचिकित्सा

## रुग्णपरिक्षण पत्रिका

## सन : २०० - २००

**महाविद्यालयाचे नाव**

# - प्रमाणपत्र -

प्रमाणित करण्यात येते की

श्री/कु/श्रीमती ____________________________________________

परीक्षा क्र.                यांनी कायचिकित्सा व पंचकर्म विषयाचे रुग्णालयीन प्रात्याक्षिकांनां नियमितपणे उपस्थित राहुन प्रात्याक्षिक प्रशिक्षण समाधानकारकपणे सन २००   – २००   हया दरम्यान पुर्ण केले आहे.

| | |
|---|---|
| अध्यापकांची स्वाक्षरी<br>कायचिकित्सा विभाग | विभाग प्रमुख<br>कायचिकित्सा विभाग |

## महाविद्यालयाचे नाव

# अनुक्रमणिका

## (कायचिकित्सा आंर्तरुग्णपत्रक)

| अ.क्र. | रुग्णनाम | निदान | दिनांक | अध्यापक स्वाक्षरी |
|---|---|---|---|---|
| १. | | | | |
| २. | | | | |
| ३. | | | | |
| ४. | | | | |
| ५. | | | | |
| ६. | | | | |
| ७. | | | | |
| ८. | | | | |
| ९. | | | | |
| १०. | | | | |

विद्यार्थी स्वाक्षरी                                        अध्यापक स्वाक्षरी

# अनुक्रमणिका

## (कायचिकित्सा बाहयरुग्णपत्रक)

| अ.क्र. | रुग्णनाम | निदान | दिनांक | अध्यापक स्वाक्षरी |
|---|---|---|---|---|
| १. | | | | |
| २. | | | | |
| ३. | | | | |
| ४. | | | | |
| ५. | | | | |
| ६. | | | | |
| ७. | | | | |
| ८. | | | | |
| ९. | | | | |
| १०. | | | | |

विद्यार्थी स्वाक्षरी　　　　　　　　　　　　अध्यापक स्वाक्षरी

# अनुक्रमणिका

# (पंचकर्म)

| अ.क्र. | रुग्णनाम | कर्मनाम | दिनांक | अध्यापक स्वाक्षरी |
|---|---|---|---|---|
| १. | | | | |
| २. | | | | |
| ३. | | | | |
| ४. | | | | |
| ५. | | | | |
| ६. | | | | |
| ७. | | | | |
| ८. | | | | |
| ९. | | | | |
| १०. | | | | |

विद्यार्थी स्वाक्षरी                                        अध्यापक स्वाक्षरी

# कायचिकित्सा अभ्यासक्रम समिती बैठक
## * अहवाल *

..........................................................................................

महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठामार्फत दि. १६ व १७ ऑगस्ट ०१ रोजी आयुर्वेद महाविद्यालय नाशिक येथे तृतीयवर्ष आयुर्वेद अभ्यासक्रमाच्या शिक्षकांसाठी आयोजित केलेल्या कार्यशाळेत घेतलेल्या निर्णयानुसार व मा. अधिष्ठाता आयुर्वेद व युनानी विद्याशाखा यांनी सुचविल्याप्रमाणे कायचिकित्सा विषयाचा अभ्यासक्रम निश्चिती संदर्भात जी समिती गठित करण्यात आली. त्या समितीची बैठक दि. ८ व ९ सप्टेंबर २००१ रोजी सुमतीभाई शाह आयुर्वेद महाविद्यालय, हडपसर पुणे-२८ येथे आयोजित करण्यात आली.

सदर सभेस समितीमधील खालील सदस्य उपस्थित होते. :-

१) वै. श्री. प्रेमकुमार जामखेडकर (अध्यक्ष)
२) वै. सतिश डुंबरे (समन्वयक)
३) वै. नितीन कामत
४) वै. प्रभाकर पवार
५) वै. एम्. एम्. मोरे
६) वै. प्रकाश चव्हाण
७) वै. श्रीकांत देशमुख
८) वै. शशिकांत सकपाळ
९) वै. एम. डी. मगरे

हे सदस्य उपस्थित होते.

दि. ८/९/२००१ रोजी सकाळी ठीक ११ वा. सभेच्या कामकाजास सुरुवात झाली.

दि. ८ व ९ सप्टेंबर २००१ या दोन्ही दिवशी सकाळी ११ ते सायं. ६ या वेळेत कायचिकित्सा अभ्यासक्रम, परीक्षा पध्दती, विद्यापीठाची दि. २०/०८/२००१ ची विद्यापीठ अभ्यास मंडळाची प्रस्तावित विषय पत्रिका (agenda for BOS) या विषयांवर सखोल चर्चा हाऊन पुढील निष्कर्ष काढण्यात आले.

१) <u>BOS agenda</u>

Clinical Bos agenda यामध्ये Review syllabus या शीर्षकाखाली केलेले कायचिकित्सा विषयातील

| | | |
|---|---|---|
| Paper | I | - Kayachikitsa |
| Paper | II | - Panchakarma & Rasayan Vajikaran |
| Paper | III | - Medicine |
| Paper | IV | - Medicine |

ही विभागणी अजिबात मान्य नाही याबाबत सदस्यांच्या भावना अतिशय तीव्र होत्या. विद्यार्थी, अध्यापक, समाज, आयुर्वेद शास्त्र यांचा साकल्याने विचार करता कोणत्याही परिस्थितीत ही अंमलबजावणी केली जाऊ नये असा ठराव सर्वानुमते संमत करण्यात आला. :-

२) अभ्यासक्रमः-

अभ्यासक्रमाबाबत चर्चा करण्यापूर्वी दि. १६ व १७ ऑगस्ट २००१ रोजी नाशिक येथील कार्यशाळेत उपस्थित असलेल्या ज्या अध्यापकांनी अभ्यासक्रमाबाबत लेखी मते व्यक्त केली होती अशा सर्व १७ लेखी मतांचे वाचन करण्यात आले व त्यांची नोंद घेऊन पुढील कामकाजात या मतांचा विचारार्थ समावेश करण्यात आला.

अभ्यासक्रमाबाबत निष्कर्ष व सूचना

अभ्यासक्रमातील कोणताही विषयांश रदद् करता येणार नाही/वाढवता येणार नाही या मर्यादांची जाणीव ठेवून समितीने त्या त्या ठिकाणी कंसात सागितलेल्या बाबी संबंधित मुदद्यांचे स्पष्टीकरण व्हावे, संदिग्धता दूर व्हावी म्हणून सखोल चर्चेअंती सुचविले आहेत.

पेपर :- १ मुदद्- ३ :- ओळ १ प्रशम ऐवजी "प्रसर" शब्द असायला हवा_
ओळ २ व्याधी प्रत्यभिकता क्षमता या अगोदर "व्याधीक्षमत्व" हा स्वतंत्र मुदद् घ्यायला हवा.
मुदद्- ५ :- ओळ ४ आमदोषस्य चिकित्सासूत्राम् ऐवजी चिकित्सा सूत्राणि हवे.
तसेच याच मुदद्‌ातील स्थानांतर समागत दोष प्रतिकार सूत्राणे या मुदद्ांचे स्पष्टीकरण करीत असतांना (अष्टांगहदय सूत्रस्थान १३, सूत्र क्र. २०,२१) या सूत्रांचा आधार घेता येऊ शकेल.

पेपर :- २ मुदद्- १ :- ज्वरोत्पत्ति या मुदद्यात ज्वरोत्पत्ति (पौराणिक वर्णनम् वैदेषु ज्वरवर्णनम् तथा विभिन्न प्राणांषु ज्वरस्य संज्ञा) यांचा समावेश आवश्यक आहे.
मुदद्- १ :- ओळ ३ विषमज्वरस्य या शब्दाचा अर्थ (संतत सतत अन्येघ्युष्क तृतीयक चतुर्थक सविपर्यय) असा केला जावा.
ओळ ६ पिडका मयाः या मुदद्यामध्ये (शीतलाविस्फोट)याचाही समावेश असायला हवा.

मुदद्- २ :- अन्नवह स्त्रोतोगत व्याधींना या मुदद्यातील व्याधींमधे "ग्रहणी" "उदावर्त" या व्याधींचा

समावेश करावा.

मुदद्- ४ :- प्राणवह स्त्रोतोगत-व्याधींनां या मुदद्यामध्ये "उरःक्षत" व्याधींचा समावेश करावा.

मुदद्- ६ :- उदकवह स्त्रोतोगत व्याणींना या मुदद्यामध्ये "शोथ" "उदर" या व्याधींचा समावेश करावा.

मुदद्- ८ :- यौन संक्रामित रोगाः यामध्ये ("फिरंग, उपदेश, शुकदोष, पूय मेह") याचां समावेश करावा.

पेपर :- ३ मुदद्- २ :- कुपोषणजन्य — - - - या मुदद्याच्या स्पष्टीरणार्थ चरक सुत्रस्थान २७. सुत्र. १ "इष्ट वर्ण - - - " या सुत्राचा आधार घ्यावा.

मुदद्- ८ :- मूर्च्छा नंतर (संन्यास) हया व्याधीचा समावेश करावा.

मुदद्- ३ :- विभिन्न स्त्रीवी ग्रंथीनां येथे विभिन्न (अंतः) स्त्रीवी ग्रंथीनां असे हवे.

मुदद्- ४:- ५वी ओळ - व्याधीक्षमत्व विकृतजन्य व्याध्ययः यामध्ये (AIDS) या व्याधीचाही समावेश करावा.

पेपर :-४ मुदद्- ५:- संतानहीनस्य "निद्रा" ऐवजी "निदां" शब्द हवा.

३) परीक्षा पध्दती :-

मौखिकी व प्रात्यक्षिक परीक्षेची गुणहवभागणी पुढीलप्रमाणे असावी.

१) Long Case (१) - ५० गुण - ४५ मिंनिटे.
२) Short Case (१) - ३० गुण - २५ मिंनिटे.
३)मौखिकी परीक्षा (१) - ४० गुण
(प्रश्नपत्र १व ४ यामधील अभ्यासक्रमाबाबत)
४)मौखिकी परीक्षा (२) - ४० गुण
(प्रश्नपत्र २ व ३ यामधील अभ्यासक्रमाबाबत)
५)रुग्णपत्रक (जर्नल) - २० गुण

४) रुग्णपत्रक (जर्नल) :-

१) रुग्णपत्रकात एकुण ३० रुग्णपत्रकांपैकी १० आंतररुग्णविभागातील, १० बाहय रुग्णविभागातील, १० पंचकर्म विभागातील असाव्यात.
२) जर्नल विभाग प्रमुखांकडुन प्रमाणित केलेले नसल्यास सदर विद्यार्थ्यास प्रात्यक्षिक परीक्षेस बसता येणार नाही.(हा नियम सर्वच विषयांसाठी लागु व्हावा.)
३) रिपीटर विद्यार्थ्याने पुन्हा परीक्षेस बसण्यापूर्वी ५ आंतररुग्ण,

५बाहय व ५ पंचकर्म अशा एकुण १५ केसेस घेणे आवश्यक आहे - सदर विद्यार्थ्याने परीक्षेस येताना जुने व नवे असे दोन्ही जर्नल आणणे आवश्यक आहे.

४) विविध महाविद्यालयातील जर्नल्सचा अभ्यासकरुन समितीने अभ्यासपुर्ण असा जर्नलचा (रुग्णपत्रकाचा) सर्वमान्य मसुदा तयार केला. तो अंमलबजावणीसाठी विद्यापीठास सादर करण्यात येत आहे.

५) अन्य :—

१) समिती मधील एक सदस्य मा.वैद्य प्र.शि.पवार यांनी पुढील मत व्यक्त केले.

"अभ्यासक्रमातील आयुर्वेदाचा सर्व भाग Must to know यामध्ये समाविष्ट करावा तसेच याशिवाय अभ्यासक्रमातील ज्या भागात केवळ Allopathy विचार व्यक्त होत असेल तो भाग Nice to know मध्ये समाविष्ट करावा तसेच कायचिकित्सा अभ्यासक्रमातील ज्या मुदद्यामध्ये Allopathy शास्त्राचा विचार व्यक्त होतो त्या मुदद्यावर परीक्षेत प्रश्न विचारले जाऊ नयेत उदा-

विभिन्न स्त्रावी ग्रंथीनां व्याधयः इत्यादी — वै. पवार यांच्या या मताशी अन्य सदस्यांनी सहमती दर्शविली नाही.

| | |
|---|---|
| वैद्य सतीश डुबंरे | वैद्य प्रेमकुमार जामखेडकर |
| (समन्वयक) | (अध्यक्ष) |
| कायचिकित्सा अभ्यासक्रम समिती. | कायचिकित्सा अभ्यायक्रम समिती. |

# कायचिकित्सा विभाग

## आंतररुग्ण पत्रक

रुग्णपत्र क्रमांक :— परीक्षण तिथी

रुग्ण नाम :—

वय :— लिंग :— जाति :—

बाहय रुग्ण क्रमांक : आंतररुग्ण क्रमांक : शय्या क्रमांक :

प्रवेश तिथी : ऋतु (वसंतादी) कालः निर्गम तिथीः-

निवास स्थानः

देशः व्यवसायः शिक्षण :

वर्तमान लक्षणानि — अवधीश्च

वर्तमान व्याधी वृत्तम्.

रुग्ण इतिहास

पुर्वोत्पन्न व्याधय :

औषधोपचार :

शस्त्रकर्म

रक्तादान

कुलवृत्तम्

मातृकुल

पितृकुल

स्वकुल

सामान्य परिक्षण

नाडी गति : वेग प्रति मि. बलम् गुणविशेषः
श्वसनम् वेग प्रति मि. गुणविशेषः
देहोष्मा /फॅ ज्वरे मन्दः/मध्यः/तीक्ष्णः/सम/विषम
रक्तदाब मि.मि.पारद
मुद्रा उपचयानुपचय संहनन
कोष्ठ शरीर बलम निद्रा
अग्नि आहारशक्त्या जरणशक्त्या
देहभार रोगत्पुर्व रोगाावस्थायाम निर्गमनकाले
वदन केश-केशभुमि कपाल भ्रु
नेत्र नासा श्मश्रु
मुख ओष्ठ दंत दंतवेष्ट जिव्हा तालु कपोल गलशंडी गिलायु गल कंठ

कर्ण मन्या त्वक् वर्ण नख

| प्रकृतितः | रुप | वर्ण | अग्नि | आहार | चेष्टा | निद्रा | वाणी | बुध्दी | स्वभाव | सहत्व |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वातप्रकृते लक्षणानि | | | | | | | | | | |
| पित्त प्रकृते लक्षणानि | | | | | | | | | | |
| कफप्रकृते लक्षणानि | | | | | | | | | | |

प्रकृति विनिश्चयः दोषीक प्रकृतिः- मानसप्रकृतिः-

सात्म्यतः
१) आहार
२) विहार
३) औषध/व्यसन

असात्म्यतः
१) आहार
२) विहार
३) औषध/व्यसन

| द्रव्यतः | गुणतः | रसतः |
|---|---|---|
| | | |

ज्ञानेंद्रियाणि कर्मेद्रियाणि
श्रोतेंद्रियम वागेंद्रियम्
स्पर्शनेंद्रिय हस्तौ
चक्षुरेंद्रियम चरणौ
रसनेंद्रियम पायु.
घ्राणेंद्रियम उपस्थ

षडंग परिक्षाः शिरः
कोष्ठ
बाहु
चरणौ

<u>स्त्रोतस परिक्षण</u>

| | | दुष्टीलक्षणानि | दर्शन, स्पर्शन, आकोरन,श्रवण |
|---|---|---|---|
| प्राणवह | नासा<br>हदय<br>फुप्फुस | कंठनाडी<br>अपस्तंभ<br>प्राणवाहिन्या<br>ष्ठीवन | |

| | | क्षय | वृध्दि | दुष्टी | दर्शन,स्पर्शन,आकोरन,श्रवण |
|---|---|---|---|---|---|
| उदकवह | तालु<br>क्लोम<br>तृट | | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अन्नवह | अन्न नलिका<br>आमाशय | वामपार्श्वम<br>ग्रहणी | दृष्टी | दर्शन स्पर्शन, |

| | | क्षय | वृध्दि | दुष्टी | परीक्षण दर्शन,स्पर्शन आकोरन, श्रवण |
|---|---|---|---|---|---|
| रसवह<br>रक्तवह | हदय व दशधमन्या<br>यकृत<br>प्लीहा | | | | |
| मांसवह | स्नायवः<br>त्वक्<br>खमल | | | | |
| मेदोवह | वृक्क<br>वपावहन | | | | |
| अस्थिवह | मेढ्र<br>जघन | | | | |
| मज्जावह | अस्थि<br>संधिपर्वणि | | | | |
| शुक्रवह | मेढ्र<br>वृषण<br>शुक्रवाहिधमन्या | | | | |
| आर्तववह | योनि<br>अंतःफल<br>आर्तववाहिनी<br>गर्भाशय | | | | |
| स्तन्यवह | स्तन<br>चुचुकौ | | | | |
| पुरिषवह | उण्डुक<br>पक्वाशय<br>उत्तरगुद<br>अधरगुद | | | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| मुत्रवह | गविनौ<br>बस्ति<br>मुत्रप्रसेक<br>मूत्रम् | | | | |
| स्वेदवह | मेद<br>रोमकूप<br>स्वेद | | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मनोवह | धी<br>निद्रा | धृती<br>कातक्रोधादी | स्मृती |

---

| मल परिक्षा | पुरोषम | मूत्रम् | ष्ठीवनम् | स्वेद |
|---|---|---|---|---|
| वर्ण | | | | |
| गंध | | | | |
| राशि | | | | |
| गुणविशेषाः | | | | |
| सामता | | | | |

---

अन्यपरीक्षणानि

प्रयोगशालेय परीक्षणानि

---

| दोषाः | वृध्दिलक्षणानि | क्षयलक्षणानि | दृष्टीलक्षणानि |
|---|---|---|---|
| वातः | | | |
| पित्तम् | | | |
| कफः | | | |

---

दूष्याः

धातवः

उपधातवः

मलाः

स्त्रोतांसी

अवयवः

इंद्रियाणि

हेतवः

व्याधेः बलम

व्याधेः पूर्वरुपाणि (ग्रंथाधाराः)

व्याधेः प्रतिनियत लक्षणानिः

संप्राप्तिविशेषः (ग्रंथाधारः)

उपशयानुपशयः

व्यवच्छेदक निदानः

व्याधिविनिश्चयः

व्याधिप्रकारः (दोषतः)

आदिबलप्रवृत्तादितः

संतपर्ण अपतर्पणोत्थः

अवस्थाविशेषः

व्याधि अधिष्ठानम्

व्याधिमार्ग

उदर्क

उपद्रव

अरिष्टलक्षणानि

साध्या साध्यत्वम्

चिकित्सा सूत्रम् (ग्रंथाधारः)

स्नेहन

स्वेदन

शोधन वमन / विरेचन / नस्य /रक्तमोक्षण/बस्ति

अनुलोमन/स्त्रंसन/भेदन/रेचन

शमन पाचन/ दीपन / क्षुत्निग्रह/तृट्निग्रह/ व्यायाम/ आतप / मारुत्

---

| द्रव्य/कल्प | मात्रा | काल | अनुपान |
| --- | --- | --- | --- |

---

पथ्य – आहारः

विहारः

आहारः

अपथ्यम् – आहारः

विहारः

अपुनर्भव चिकित्साः

दैनंदिनवृत्तम्

| दिनांक | लक्षणानि | चिकित्सा | पथ्यापथ्यम् |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |

विद्यार्थी स्वाक्षरी                                        अध्यापक स्वाक्षरी

# कायचिकित्सा विभाग

## बाहय रुग्ण पत्रक

| | | | |
|---|---|---|---|
| आतुरनाम - | | वय | लिंग - |
| निवास - | | | जाती - |
| बाहयरुग्ण क्रमांक - | | | व्यवसाय - |
| परीक्षण दिनांक - | | | विवाहित/अविवाहित - |

वर्तमान व्याधि लिंग-

उपस्थित व्याधि वृत्तांत-

पूर्वव्याधि वृत्तांत-

कुलवृत्तांत-

सामान्य परिक्षण-

| | | | |
|---|---|---|---|
| नाडी | वेग | गति | बल |
| देहोष्मा | | श्वसन | |
| रक्तदाब | | आनन | नेत्र |
| नासिका | | ओष्ठ | दन्त |
| दन्तवेष्ठ | | नख | जिव्हा |
| त्वक् | | भार | गल |
| तालु | | गिलायु | शोफ |

उपचय/अपचय

मलप्रवृत्ती– मूत्रप्रवृत्ती– मूत्रप्रवृत्ती–

स्त्रोतस परीक्षण–

कोष्ठ परीक्षण–

अग्नि परीक्षण–

दोष दृष्टी–

धातु दृष्टी–

मल दृष्टी–

व्याधी अधिष्ठान–

व्यवच्छेदक निदान–

व्याधि विनीश्चय–

–चिकित्सा–

विद्यार्थी नाम प्राध्यापक

पंचकर्म विभाग
स्नेहन कर्म

क्रमांक : रजिस्टर क्रमांक :

रुग्णनाम : निवास स्थान :

खट्वांक : व्याधि : प्रकार :

स्नेहप्रकार : स्नेह नाम : मात्रा :

दिनांक : सम्यक स्निग्ध लक्षणानि :

| दिनांक | | | | | | | | अन्य-विशेष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नेह मात्रा (औंस/तोळे) | | | | | | | | |
| दिन क्रं. | | | | | | | | |
| वातानुलोम्यम् | | | | | | | | |
| वर्चः असंहत्वम् | | | | | | | | |
| मृदुत्व शरीरस्य | | | | | | | | |
| स्निग्धता अंगेषु | | | | | | | | |
| त्वचः स्निग्धत्वम् | | | | | | | | |
| ग्लानि | | | | | | | | |
| अंगानाम् लाघत्वम् | | | | | | | | |
| अधस्ताद स्नेह दर्शनम् | | | | | | | | |
| स्नेहोव्देग | | | | | | | | |
| विमलेन्द्रियता | | | | | | | | |
| क्लम | | | | | | | | |
| दीप्ताग्नी | | | | | | | | |
| स्नेहदानकाल प्रात. | | | | | | | | |
| स्नेहपचनकाल | | | | | | | | |
| इतर | | | | | | | | |

विद्यार्थी नामः अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग
## स्नेहन कर्म

क्रमांक : रजिस्टर क्रमांक :

रुग्णनाम : निवास स्थान :

खट्वांक : व्याधि : प्रकार :

स्नेहप्रकार : स्नेह नाम : मात्रा :

दिनांक : सम्यक स्निग्ध लक्षणानि :

| दिनांक | | | | | | | | अन्य–विशेष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्नेह मात्रा (औस / तोळे) | | | | | | | | |
| दिन क्रं. | | | | | | | | |
| वातानुलोम्यम् | | | | | | | | |
| वर्चः असंहत्वम् | | | | | | | | |
| मृदुत्व शरीरस्य | | | | | | | | |
| स्निग्धता अंगेषु | | | | | | | | |
| त्वचः स्निग्धत्वम् | | | | | | | | |
| ग्लानि | | | | | | | | |
| अंगानाम् लाघत्वम् | | | | | | | | |
| अधस्ताद स्नेह दर्शनम् | | | | | | | | |
| स्नेहोव्देग | | | | | | | | |
| विमलेन्द्रियता | | | | | | | | |
| क्लम | | | | | | | | |
| दीप्ताग्नी | | | | | | | | |
| स्नेहदानकाल प्रात. | | | | | | | | |
| स्नेहपचनकाल | | | | | | | | |
| इतर | | | | | | | | |

विद्यार्थी नाम अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग

## स्वेदनकर्म

रुग्णनाम : | | दिनांक :
रजिस्टर क्रमांक : | खट्वांक : | वय :

निवास स्थान :

व्याधि : | दोष : | कर्म :

प्रकृति :

स्थानम् :

द्रव्यम् :

पूर्वम् : | मध्य : | पश्चात :

नाडी :

रक्तभार :

श्वसनम् :

ताप–देहताप :

स्वेदन प्रकार :

इतर लक्षणानि :

स्वेदन समय :

तापमानम् :

भ्रम :

विद्यार्थी नाम | अध्यापक स्वाक्षरी



पंचकर्म विभाग

स्वेदनकर्म

रुग्णनाम : दिनांक :

रजिस्टर क्रमांक : खट्वांक : वय :

निवास स्थान :

व्याधि : दोष : कर्म :

प्रकृति :

स्थानम् :

द्रव्यम् :

पूर्वम् : मध्य : पश्चात :

नाडी :

रक्तभार :

श्वसनम् :

ताप–देहताप :

स्वेदन प्रकार :

इतर लक्षणानि :

स्वेदन समय :

तापमानम् :

भ्रम :

विद्यार्थी नाम अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग
## :वमन कर्म

रुग्णनाम : वय : रजिस्टर क्रमांक :

खट्वाक : व्याधि :

---

रुग्णेतिहास :

स्नेहकाल : स्नेहनाम् : स्नेहमात्रा :

वमनपुर्व नाडी : श्वसनम् : रक्तभार :

वमनपुर्वपानम् :

वमनद्रव्याणि :

| वेग | काल | नाडी | श्वसनम् | वेगवर्णनम् | मानम् | मध्यापानम् | अन्यलक्षणानि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |

परीक्षणम् :

वेगीकी :

मानिकी :

अन्तिकी :

लैंगिकी :

वमनोत्तर सामान्य परीक्षणम्

नाडी श्वसनम् रक्तभार

## सम्यकवान्तस्य लक्षणानि

कफ प्रसक : पूर्वम् औषधपवृत्ती :

ततः कफप्रवृत्ति : कफानंतर पित्त प्रवृत्ति : पित्तानंतर वातस्य प्रवृत्ति :

## सम्यक वमन जनित परीणाम

कफस्त्राव मनःप्रसाद : स्वरविशुध्दि : पार्श्वशुध्दि :

कंठशुध्दि : शिरशुध्दि : इंद्रियप्रसाद : हदयशुध्दि :

स्वस्थता : अरुचिनाश : लघुत्वम् : कोष्ठतनुत्वम् :

## वमन अयोग लक्षणानि

वमनाप्रवृत्ति केवलभेषजस्थ प्रवृत्ति वमनस्य विबन्ध :

## वमन अयोग जनित परीणाम

अरोचकः गौरवम्ः आध्मानम्ः कण्डुःस्फोटोत्पत्तिश्चः

काठोत्पत्ति : आलस्यम्ः शूलम्ः प्रतिश्यायः

लोमहर्ष : प्रसेक : शोफ : ज्वरः

प्रलाप : भ्रमः मुत्रावरोध :

आंतरिक – परिस्त्रावी व्रण :

विद्यार्थी नाम अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग
## :विरेचन कर्म

आतुरस्य नाम : वय : प्रकृती :

खट्वाक : रजिस्टर क्रमांक : दिनांक : व्याधिः प्रकार :

---

रुग्णेतिहास :

---

विरेचन द्रव्यम् : मात्रा :
अनुपानम् : अनुपानस्य मात्रा :
विरेचनात प्राक आहारद्रव्यम् : निवास स्थान :
आहारद्रव्यस्य मात्रा (कालश्च) :
औषध प्रयोग काल : कियंत कालेन वेगारंभ :
विरेचन वेगानां संख्या : कियंत मलस्य प्रवृत्ती :

सम्यकविरिक्तस्य लक्षणानि :

क्रमेण :

१. वातप्रवृत्ति :
२. मूत्रप्रवृत्ति :
३. पुरिषप्रवृत्ति :
४. पित्तप्रवृत्ति :
५. कफप्रवृत्ति :

नाभ्यां लघुत्तम् :
मनसस्तुष्टि :
वातानुलोम्यं :

विरेचनजनित परिणाम

बुध्देः प्रसाद :
इंद्रियाणां बलवृध्दि :
धातुस्थितित्वम् :
बलम् उत्साह :
अग्निदीप्ती :

विरेचन आयोग जनित लक्षणानि

कफप्रकोप :
पित्तप्रकोप :
दाह :
अरुचि :
गौरवम् :
अग्निसाद :
हदयस्य मनसः अशुध्दि :
पुरुषसंग
कंण्डू :
मूत्रसंग :

# विरेचनातियोगजनित लक्षणानि :

मूर्च्छा :

गुदभ्रंश :

कफस्य अतिप्रवृत्ति :

शूलोपशम् :

प्रवाहिका :

विरेचन पूर्व नाडी : श्वसनम् : रक्तभार :

विरेचनोत्तर नाडी : श्वसनम् : रक्तभार :

| वेग | कालः | वेगस्वरुपम् | भारः | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

विरेचनपरिक्षणम् –

वेगिकी :

मानिकी :

अन्तिकी :

लैंगिकी :

विद्यार्थी नाम अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग

बस्ति (निरुह - अनुवासन)

आतुरस्य नाम : वय : प्रकृति :

खट्वांक : व्याधि : प्रकार : दिनांक :

बस्ति प्रकार मात्रा बस्ति (६ तो.) निरुह बस्ति (९६ तो.) स्नेह बस्ति (२४ तो.)

भेद :
बस्तिद्रव्याणि : बस्तिदानात प्राक् आहारद्रव्यम् :
आहार द्रव्यस्य मात्रा कालश्च : बस्तिदानात प्राक् परीक्षणीयम् :
नाडी : गति : स्पन्दनम् : स्पर्श : दोष :
श्वसन : उष्मा : बस्तिदानकाल : बस्तिद्रव्यनिर्गमनकाल :
बस्तिनिर्गमनोत्तर परीक्षणीय :
नाडी गती : हंस मण्डुकादि सम् विषम् द्रुतमन्दादी : स्पंदनम् :
उत्प्लवनम् : स्पर्श : दोष :
सम्यक लक्षणानि :

बस्ति (निरुह - अनुवासन)

आतुरस्य नाम : वय : प्रकृति :

खट्वांक : व्याधि : प्रकार : दिनांक :

बस्ति प्रकार मात्रा बस्ति (६ तो.) : निरुह बस्ति (९६ तो.) : स्नेह बस्ति (२४ तो.) :

भेद : कर्म बस्ति, कालबस्ति, योगबस्ति, मात्रा बस्ति.
बस्तिद्रव्याणि : बस्तिदानात प्राक् आहारद्रव्यम् :
बनुवासन बस्ति :
द्रव्यनाम् -

बस्ति नाम : वाजीकरण, रसायण, बृहण लेखन,कृमिहर, दोषहर, पिच्छा, मधुतैलिक, यापन, युक्तरथ बस्ति, सिध्द, संग्राही.

आहार द्रव्यस्य मात्रा कालश्च : बस्तिदानात प्राक् परीक्षणीयम् :
नाडी : गति : स्पदनम् : स्पर्श : दोष :
श्वसन : उष्मा : बस्तिदानकाल : बस्तिद्रव्यनिर्गमनकाल :
बस्तिनिर्गमनोत्तर मलानी वेगसंख्या : प्रमाणम् :

बस्तिनिर्गमनोत्तर परीक्षणीय,

नाडी गती : हंसमण्ढुकादि सम विषम् द्रुतमन्दादी : स्पन्दनम् :

उत्प्लवनम् : स्पर्श : दोष :

सम्यक लक्षणानि :

विद्यार्थी स्वाक्षरी अध्यापक स्वाक्षरी

बस्ति

# पंचकर्म विभाग

बस्ति (निरुह - अनुवासन)

आतुरस्य नाम : वय : प्रकृति :

खट्वांक : व्याधि : प्रकार : दिनांक :

बस्ति प्रकार मात्रा बस्ति (६ तो.) : निरुह बस्ति (९६ तो.) : स्नेह बस्ति (२४ तो.) :

भेद :
बस्तिद्रव्याणि : बस्तिदानात प्राक् आहारद्रव्यम् :
आहार द्रव्यस्य मात्रा कालश्च : बस्तिदानात प्राक् परीक्षणीयम् :
नाडी : गति : स्पन्दनम् : स्पर्श : दोष :
श्वसन : उष्मा : बस्तिदानकाल : बस्तिद्रव्यनिर्गमनकाल :
बस्तिनिर्गमनोत्तर परीक्षणीय :
नाडी गती : हंस मण्डुकादि सम विषम् द्रुतमन्दादी : स्पंदनम् :
उत्प्लवनम् : स्पर्श : दोष :
सम्यक लक्षणानि :

---

बस्ति (निरुह - अनुवासन)

आतुरस्य नाम : वय : प्रकृति :

खट्वांक : व्याधि : प्रकार : दिनांक :

बस्ति प्रकार मात्रा बस्ति (६ तो.) : निरुह बस्ति (९६ तो.) : स्नेह बस्ति (२४ तो.) :

भेद : कर्म बस्ति, कालबस्ति, योगबस्ति, मात्रा बस्ति.
बस्तिद्रव्याणि : बस्तिदानात प्राक् आहारद्रव्यम् :
बनुवासन बस्ति :
द्रव्यनाम् -

बस्ति नाम : वाजीकरण, रसायण, बृहण लेखन,कृमिहर, दोषहर, पिच्छा, मधुतैलिक, यापन, युक्तरथ बस्ति, सिध्द, संग्राही.

आहार द्रव्यस्य मात्रा कालश्च : बस्तिदानात प्राक् परीक्षणीयम् :
नाडी : गति : स्पदनम् : स्पर्श : दोष :
श्वसन : उष्मा : बस्तिदानकाल : बस्तिद्रव्यनिर्गमनकाल :
बस्तिनिर्गमनोत्तर मलानी वेगसंख्या : प्रमाणम् :

बस्तिनिर्गमनोत्तर परीक्षणीय,

नाडी गती : हंसमण्ढुकादि सम विषम् द्रुतमन्दादी : स्पन्दनम् :

उत्प्लवनम् : स्पर्श : दोष :

सम्यक लक्षणानि :

विद्यार्थी स्वाक्षरी अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग

## नस्य कर्म

आतुरस्य नाम : वय : प्रकृति :

क्रमांक : दिनांक :

व्याधि : प्रकार : दोष :

नस्य प्रकार : शोधनम् द्रव्यम : मात्रा :

शमनम्

बृहणम्

पूर्वकर्म-स्वेदनम् : स्वेदन प्रकार :

प्रत्यक्ष कर्म :

कर्मकाल :

धारण - काल :

पश्चात कर्म - धुम्रपान - प्रकार - द्रव्यम्

गण्डूष - प्रकार - द्रव्यम्

### सम्यक - नस्य - लक्षणानि

सुखोच्छवास : विरेचनम् :

स्वप्नबोध : अक्षिलघुता :

अक्षिपाटवम् : स्वरशुध्दि :

वक्त्रशुध्दि :

हीन लक्षणानि

आक्षिस्तब्धता : नासास्यशोष :

मुर्ध शून्यता : गदोव्देग :

### अतियोग लक्षणानि

कंडु गुरुता :

प्रेसेक : अरुचि :

पीनस : क्षामता :

उत्क्लेश : अपथ्यम् :

पथ्यापथ्यम्

विद्यार्थी नाम अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग

## नस्य कर्म

आतुरस्य नाम : वय : प्रकृति :

क्रमांक : दिनांक :

व्याधि : प्रकार : दोष :

नस्य प्रकार : शोधनम् द्रव्यम : मात्रा :

शमनम्

बृहनम्

पुर्वकर्म-स्वेदनम् : स्वेदन प्रकार :

प्रत्यक्ष कर्म :

कर्मकाल :

धारण – काल :

पश्चात कर्म – धुम्रपान – प्रकार – द्रव्यम्

गण्डूष – प्रकार – द्रव्यम्

सम्यक – नस्य – लक्षणानि

सुखोच्छवास : विरेचनम् :

स्वप्नबोध : अक्षिलघुता :

आक्षिपाटवम् : स्वरशुध्दि :

वक्त्रशुध्दि :

हिन लक्षणानि

आक्षिस्तब्धता : नासास्यशोष :

मुर्ध शून्यता : गदोव्देग :

अतियोग लक्षणानि

कंडु गुरुता :

प्रेसेक : अरुचि :

पीनस : क्षामता :

उत्क्लेश : अपथ्यम् :

पथ्यापथ्यम

अध्यापक स्वाक्षरी

नस्य

# पंचकर्म विभाग

## रक्तमोक्षणविधी

रजि. क्रमांक : दिनांक :

रुग्ण नाम : निवास :

प्रकृति : वय : खट्वांक :

व्याधि : प्रकार :

संक्षिप्त रुग्णेतिहास :

रक्तमोक्षण प्रकार : स्थान :

पूर्वकर्म शोधनादि : साहित्य :

प्रधानकर्म :

काल :

पश्चात्कर्म व्रणोपचारादि : काल : रक्तराशि :

कर्मपूर्व नाडी :

कर्मपश्चात नाडी : रक्तदाब : श्वसन : विशेष :

अन्य लक्षण :

अन्य चिकित्सा :

पथ्यापथ्य :

विद्यार्थी नाम अध्यापक स्वाक्षरी

# पंचकर्म विभाग

## रक्तमोक्षणविधी

रजि. क्रमांक : दिनांक :

रुग्ण नाम : निवास :

प्रकृति : वय : खट्वांक :

व्याधि : प्रकार : स्थानसंस्था :

संक्षिप्त रुग्णेतिहास :

रक्तमोक्षण प्रकार : स्थान :

पूर्वकर्म शोधनादि : साहित्य :

प्रधानकर्म :

काल :

पश्चात्कर्म व्रणोपचारादि : काल : रक्तराशि :

कर्मपूर्व नाडी :

कर्मपश्चात नाडी : रक्तदाब : श्वसन : विशेष :

निहस्ति रक्तपरिक्षण : रक्तदाब : श्वसन : विशेष :

अन्य लक्षण :

अन्य चिकित्सा :

पथ्यापथ्य :

सूचना :

विद्यार्थी नाम अध्यापक स्वाक्षरी